1 SEP 2019

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19 (N-M)–M–**GS17**	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

Name: सुनिल धनवंता **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** *7059

Center & Date: BATRA & 01/09/2019 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हड़प्पा काल में व्यापक स्तर पर चित्रकला का प्रसार नहीं था परंतु छोटे स्तर पर चित्रकला का प्रचलन देखा जाता है।

(i) मृदभाण्डों पर चित्रकारी

- लाल रंग के मृदभाण्डों पर काले रंग से चित्र
- लोक चित्रकला से संबन्धित चित्र
- पशुपक्षियों की आकृति → जीवंत कल्पना

(ii) मुहरों पर चित्रकारी

- पशु-पक्षियों के चित्र
- राज्य के निशान के चित्र

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) ताम्र पत्रों पर चित्रकारी

कलात्मक संवेदनशीलता
- रंगों का समायोजन
- ज्यामितीय आकार पर बल
- लोक जीवन का चित्रण

जीवंत कल्पनाएं
- प्रकृति का चित्रण
- पशु-पक्षियों का चित्रण
- मानव-प्रकृति अंतक्रिया का चित्रण इत्यादि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये।
(150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में प्राचीन काल में वैदिक धर्मों का प्रचलन था परंतु अनेक कारणों से इन धर्मों के प्रति जनता में असंतुष्टि का प्रसार हो गया जिसकी परिणति ~~बौध~~ जैन एवं बौद्ध धर्म की स्थापना के रूप में हुई।

असंतुष्टि के कारण

(i) वैदिक धर्मों के जटिल कर्मकाण्डों का पाया जाना

(ii) मोक्ष के लिए विभिन्न लंबे एवं जटिल मार्गों का सुझाव

(iii) समाज के बड़े भाग को कर्मकाण्ड करने से प्रतिबंध तथा अस्पृश्यता का प्रचलन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) मोक्ष के लिए विशाल मात्रा में धन के व्यय की आवश्यकता

(v) बौद्ध एवं जैन धर्म द्वारा मोक्ष एवं निर्वाण हेतु सरल विधि का प्रस्ताव

बौद्ध धर्म
- चार आर्य सत्य
- सभी वर्गों में समानता की धारणा
- जाति प्रथा को नकारना
- मोक्ष हेतु सरल मार्ग का सुझाव

जैन धर्म
- अहिंसा का सिद्धांत
- अच्छे कर्मों को मोक्ष का रास्ता बताया
- राजाओं द्वारा संरक्षण दिया गया।

इन धर्मों की सरलता व अच्छाइयों ने समाज के एक बड़े वर्ग को प्रभावित किया जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने इन धर्मों को अपना लिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आंतकवादी शब्द की प्रवृत्ति के प्रसार को मुख्यतः बंगाल विभाजन की घोषणा के बाद माना जाता है परंतु इसका प्रारंभ तो इस घोषणा के पहले ही हो चुका था.

- पूना में चापेकर बंधुओं द्वारा प्लेग कमिश्नर की हत्या (1897 ई.)
- सावरकर की अभिनव भारत संगठन की गतिविधियाँ
- तिलक भी इसी रास्ते का पालन करने के लिए जनता को प्रभावित कर रहे थे (गणेश उत्सव, शिवाजी उत्सव)

परंतु इसकी मुख्य घटनाएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बंगाल विभाजन की घोषणा के बाद देखी जाती है

- सूर्यसेन की बंगाल में क्रांतिकारी क्रियाएं
- मुजफ्फरपुर बम काण्ड
- दिल्ली में लार्ड हार्डिंग बम काण्ड
- हिंदुस्तान रिपब्लिक असोसिएशन के कार्य.
  - काकोरी ट्रेन लूटना
  - सांडर्स की हत्या
  - विधानपरिषद बम काण्ड इत्यादि

क्रांतिकारी आतंकवाद
- प्रथम चरण → 1922 के पहले
- द्वितीय चरण → 1922 के बाद

इसके अलावा भी हजारों घटनाएं ऐसी हुई जो क्रांति या सशस्त्र बल के द्वारा अंग्रेजों को देश से बाहर करना चाहते थे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत को 'अंतर्राष्ट्रीय सीबेड अथॉरिटी' (ISA) द्वारा मध्य हिन्द महासागर में 1.5 लाख वर्ग कि.मी का समुद्री बेसिन आवंटित किया गया है ताकि वहाँ के संसाधनों का उचित दोहन हो सके।

इसी को ध्यान में रखकर भारत ने डीप ओशन मिशन प्रारंभ किया है।

मिशन के उद्देश्य -

(i) समुद्री संसाधनों के समुचित दोहन से आर्थिक विकास को बढ़ावा
(ii) तकनीक का विकास करना
(iii) रोजगार सृजन करना
(iv) भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मिशन का महत्त्व

- इससे गहरे समुद्री संसाधनों के विकास व निष्कर्षण हेतु प्रौद्योगिकी का विकास होगा
- पॉलीमैटेलिक नोड्यूल्स का निष्कर्षण संभव होगा
- उद्योगों के लिए कच्चे माल की प्राप्ति
- अनेक रोजगारों का सृजन होगा
- ~~[illegible]~~ ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा

भूमि पर संसाधनों की समाप्ति के बाद समुद्री संसाधन ही भविष्य की आशा है जिनके निष्कर्षण हेतु उचित प्रौद्योगिकी का विकास आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी का एक विशाल चुम्बक की तरह व्यवहार करना ही भूचुम्बकत्व है।

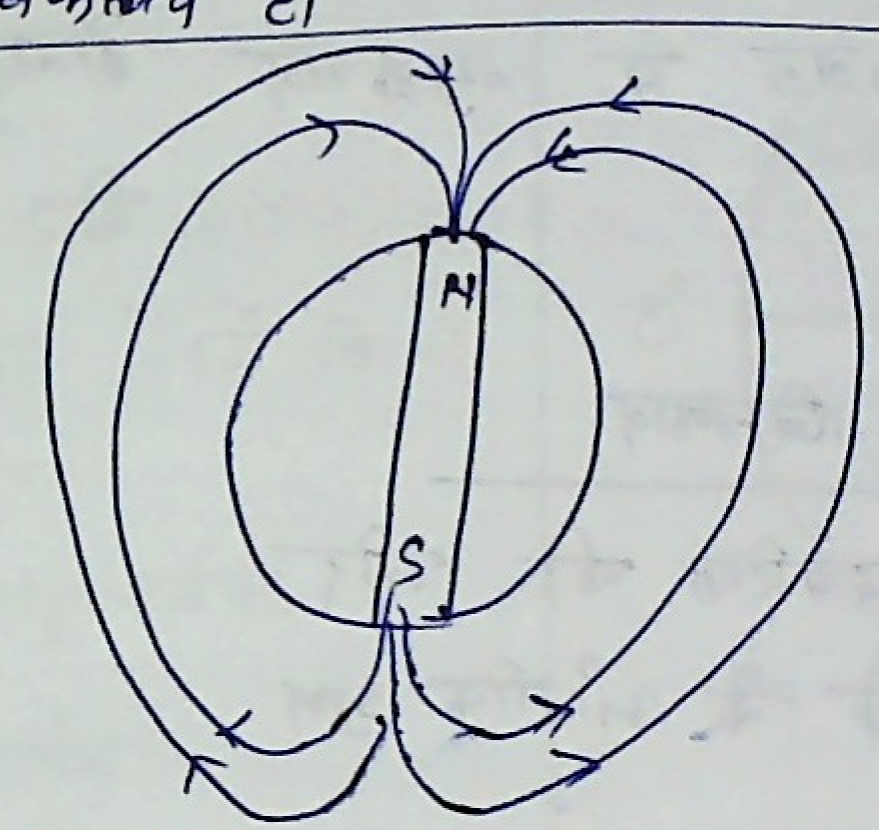

चित्र: पृथ्वी का चुम्बकत्व

चुम्बकत्व के स्रोत

(i) पृथ्वी के अंतर्गत पाए जाने वाले लौह खनिज व बाहरी क्रोड का घूर्णन
↓
'डायनेमो प्रभाव'

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिद्धांत

(i) पृथ्वी में दो चुंबकीय ध्रुव होते है जहां पर चुंबकीय रेखाएँ पायी जाती है।

(ii) ये कॉस्मिक किरणों से हमारा बचाव करती है।

(iii) ध्रुवों का संचलन व व्युत्क्रमण होता रहता है।

चुंबकीय ध्रुव में खिसकाव

- कनाडा से साइबेरिया की ओर
- कारण- पृथ्वी के आंतरिक गुण

प्रभाव

- नौवहन के उपकरणों में बदलाव करना होगा
- वैश्विक 'भूचुंबकत्व मॉडल' में बदलाव करना होगा
- लोगों के व्यवहार में परिवर्तन (उत्तरी ध्रुव)
- ध्रुवीय ज्योति → अरोरा बोरोलिस
  ↓
  साइबेरिया में ज्यादा स्पष्ट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षोभमण्डल की ऊपरी सीमा में विसर्पित करती हुई तेज गति से चलने वाली वायुधाराएं जेट स्ट्रीम हैं।

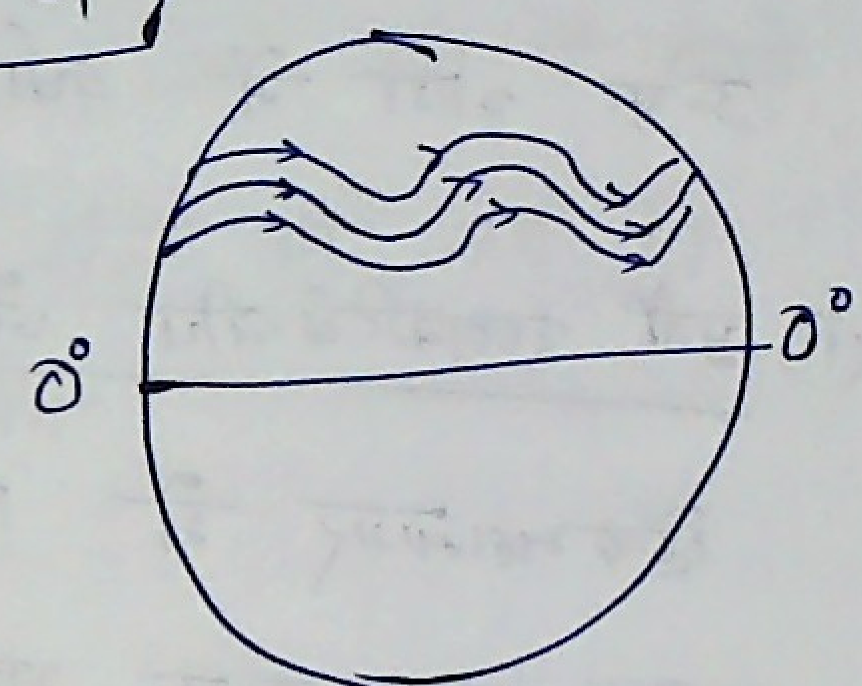

चित्र- जेट स्ट्रीम

विशेषताएं

(i) तेज गति
(ii) विस्तार सैकड़ों कि.मी. में
(iii) वायु कर्तन
(iv) विसर्पण
(v) गति- पश्चिम से पूर्व

निर्माण

(i) ध्रुवीय कोशिका व फेरल कोशिका का मिलन
(ii) हेडली व फेरल कोशिका का मिलन

भारतीय जलवायु पर प्रभाव

(i) पश्चिमी जेट धारा द्वारा जनवरी-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

फरवरी के माह में पश्चिमी विक्षोभों को भारत में लाना → भारत में उ.प. भाग में वर्षा होना

(ii) पूर्वी उष्णकटिबंधीय जेट स्ट्रीम → यह हिन्द महासागर में निम्नदाब के निर्माण के द्वारा द.प. मानसून को प्रभावित करती है। इसके मजबूत होने से भारतीय मानसून तीव्र होता है।

(iii) हिमालय द्वारा जेट स्ट्रीम का विभाजन (इससे भारत में चक्रवातीय व प्रति चक्रवातीय दशाएँ बन सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तापमान बढ़ने के कारण
हिमनदों के पिघलने के परिणामस्वरूप हिमनदों का विस्तार कम होता जा रहा है जिसे हिमनद रिट्रीट की संज्ञा दी जाती है।

कारण
- ग्लोबल वार्मिंग
- वनोन्मूलन
- प्रदूषण – ब्लैक कार्बन का जमाव

~~[struck out]~~ हिमालय के प्रमुख हिमनद तेज गति से पीछे हट रहे है जिसकी वजह से भारतीय उपमहाद्वीप पर अनेक प्रभाव पड़ सकते हैं –

(i) पेयजल की कमी → गर्मी के दिनों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नदियों के जलस्तर में कमी → जलसंकट
उदाहरण - शिमला जलसंकट

(ii) हिमनद पिघलाव → नदी के आयतन में वृद्धि → बाढ़ की समस्या

(iii) हिमनदों पर आश्रित अनेक जीव-जंतुओं का विनाश → जैव विविधता क्षति

(iv) भविष्य का जलसंकट - भारत की मुख्य नदियाँ पानी हेतु हिमनदों पर निर्भर

(v) समुद्री जल स्तर में वृद्धि
- तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या
- तटीय अपरदन ↑
- द्वीपों का डूबना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं?

(150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में राज्यसभा में तीन तलाक बिल के पास होने के पश्चात यह कानून बन गया जिसके अंतर्गत तलाक-ए-बिद्दत को गैर-कानूनी घोषित किया गया है।

लैंगिक न्याय का संदर्भ

- अनुच्छेद 14 - महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकारों की प्राप्ति
- अनुच्छेद 19. महिलाओं की स्वतंत्रता की रक्षा
- अनुच्छेद 21 - महिलाओं को भी गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार
- प्रस्तावना व नीति-निर्देशक तत्वों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उल्लेखित सामाजिक न्याय की प्राप्ति

धर्मनिरपेक्षता का संदर्भ

(i) अनुच्छेद 25 - सभी को अपने धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार → अनेक
(iii) लोगों द्वारा इसे धर्म में हस्तक्षेप माना जा रहा है

(ii) प्रत्येक धर्म को अपने धार्मिक कार्यों के प्रशासन का पूर्ण अधिकार

परंतु हमें उन कुरीतियों का त्याग करना चाहिए जो किसी व्यक्ति की गरिमा एवं समानता का उल्लंघन करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में लैंगिक असमानता सूचकांक में भारत का निम्न प्रदर्शन महिलाओं की खराब स्थिति की ओर इशारा करता है।

महिलाओं के खिलाफ अक्षमताएं

(i) पितृसत्तात्मक सोच
- पुत्र प्राप्ति की इच्छा
- कन्या भ्रूण हत्या व शिशु हत्या
- लड़की के आर्थिक विकास में बाधा

(ii) बाल विवाह

(iii) लड़कियों को नौकरी करने से रोकना

(iv) यौन उत्पीड़न
- घर पर
- कार्यस्थल पर
- 'मैरिटल रेप'

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(v) राजनीति में महिलाओं की निम्न भागीदारी

(vi) समान कार्य के लिए समान वेतन नहीं

(vii) दहेज प्रथा तथा घरेलू उत्पीड़न

आधुनिक सुधार आंदोलनों के प्रभाव

(i) समान कार्य समान वेतन अधिनियम

(ii) विशाखा दिशा-निर्देश
2013 में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ रक्षा हेतु अधिनियम

(iii) दहेज प्रथा निषेध अधिनियम

(iv) बाल विवाह निषेध अधिनियम

(v) तीन तलाक निषेध अधि.

(vi) निर्भया फंड

(vii) पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. ~~सांप्रदायिकता क्या है?~~ क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है?

(150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने संप्रदाय या समुदायों को श्रेष्ठ मानते हुए दूसरे संप्रदायों के प्रति नकारात्मक या विद्वेष की भावना रखना ही सांप्रदायिकता है।

भारत में वर्तमान में भी समय समय पर सांप्रदायिक घटनाएँ देखने को मिलती है। कई विद्वान इनको ब्रिटिशों की देन मानते हैं-

(i) फूट डालो और राज करो की नीति

(ii) पृथक् निर्वाचक मण्डल की अवधारणा
↓
मॉर्ले मिन्टो सुधार - 1909

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) बंगाल विभाजन

(iv) धर्म के आधार पर देश का विभाजन
↓
विस्थापन, सांप्रदायिक दंगे

परंतु ब्रिटिश शासन के आगमन के पहले भी ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं

(i) औरंगजेब द्वारा धार्मिक आधार पर जजिया कर लगाना

(ii) गजनवी द्वारा मन्दिरों का विनाश।

(iii) मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा तीर्थयात्रा कर लगाना

हालांकि सांप्रदायिकता की घटनाएं ब्रिटिश शासन से पहले भी थी परंतु अंग्रेजों ने इनको बढ़ावा देने का ही प्रयास किया था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश लोग भारत में सन् 1608 ईस्वी में व्यापार-वाणिज्य के उद्देश्य से आये थे लेकिन 200 वर्षों में उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया।

पहले भारत अपने निर्यात के लिए विश्व में सर्वोत्तम स्थान रखता था यहाँ से मसालें, सूती वस्त्र इत्यादि का निर्यात किया जाता था तथा व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में था।

ब्रिटिशों के आगमन के पश्चात उन्होंने यहाँ राजनीतिक सत्ता (बक्सर का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

युद्ध में हासिल कर ली जिसके निम्नलिखित प्रभाव थे।

→ अब उन्हें व्यापार के लिए पैसा नहीं लाना पड़ता था

→ ब्रिटेन में औद्योगिक क्रान्ति
↓
भारत से कच्चे माल का निर्यात तथा निर्मित वस्तुओं का आयात
↓
भुगतान संतुलन नकारात्मक

→ मुक्त व्यापार की नीति एवं ब्रिटेन में भारतीय वस्तुओं पर उच्च सीमा शुल्क → भारतीय माल का प्रतिस्पर्धा से बाहर होना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक परिणाम

(i) भारतीय उद्योगों के लिए कच्चे माल की कमी → लागत ↑ → उद्योग बंद

(ii) + मशीन निर्मित माल के सामने भारतीय वस्तुएं महंगी

(iii) ग्रामीण कुटीर उद्योग बर्बाद तथा कृषि पर दबाव में वृद्धि

सकारात्मक परिणाम

(i) भारत में राष्ट्रवाद का प्रसार

(ii) किसान व श्रमिक आंदोलन

(iii) राष्ट्रीय उद्योगों की स्थापना Ex. TISCO

इस प्रकार की आर्थिक नीति को आर. सी. दत्त और दादा भाई नैरोजी ने 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' की संज्ञा दी जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को चौपट करके रख दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20

drishti दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थी जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद के अंतर्गत कोई देश दूसरे देश पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण की स्थापना कर उसके संसाधनों का अपने हितों की पूर्ति के लिए प्रयोग करता है। ~~ब्रिटे~~ ब्रिटेन, पुर्तगाल, फ्रांस, जापान इत्यादि देशों ने इन नीतियों का पालन किया था।

साम्राज्यवाद के विकास में सहायक कारक.

(i) देशों की विशाल नौसैनिक ताकत - दूसरे देशों की विजय में सहायता
उदाहरण - पुर्तगाल, ब्रिटेन इत्यादि

(ii) औद्योगिक क्रांति - इसके कारण देशों में आर्थिक विकास के कारण पूंजी का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संचय हुआ → सैन्य विकास → दूसरे देशों पर कब्जा

(iii) अफ्रीका जैसी जगहों की जातियों का ~~अवि~~ अविकसित एवं असंगठित होना → साम्राज्यवादी शक्तियों की आसान विजय

(iv) संयुक्त राष्ट्र जैसी विनियमनकारी संस्था का अभाव।

जापान ने भी अपने विस्तार को बढ़ाने एवं अतिरिक्त संसाधनों की प्राप्ति के लिए साम्राज्यवाद की ओर रुख किया।

उत्तरदायी एवं सहायक कारक-

(i) जापान की मजबूत सेना < नौसेना, थल सेना

(ii) जापान में औद्योगिक विकास

(iii) जापान की सशक्त राजनीतिक व्यवस्था

इन्हीं के प्रभाव स्वरूप जापान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मंचुरिया, द० पू० एशियाई देशों, रूस इत्यादि देशों पर आक्रमण किया तथा अपने साम्राज्य का विस्तार करने का प्रयास किया।

इसी को बढ़ाते हुए जापान ने प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भी इन नीतियों को जारी रखा परंतु द्वितीय विश्वयुद्ध में हार से जापान का यह विशाल साम्राज्य समाप्त हो गया।

परंतु वर्तमान में चीन व अमेरिका जैसे देश अपनी आर्थिक नीतियों के माध्यम से नवसाम्राज्यवाद को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं जिन पर संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच के माध्यम से रोक लगाने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूसी क्रांति 20वीं शताब्दी की एक युगांतकारी घटना थी जिसने विश्व व्यवस्था को बदलकर रखा दिया तथा इसका प्रभाव आज भी विश्व ~~व्यवस्था~~ व्यवस्था पर दिखाई देता है। यह क्रांति रूस के जारशाही शासन के खिलाफ व्लादिमिर लेनिन के नेतृत्व में की गई थी।

क्रांति के कारण -

(i) जारशाही शासन की अप्रभावी नीतियाँ

- जापान के खिलाफ हार
- प्रथम विश्वयुद्ध में भारी नुकसान

↓

लेनिन का सैनिकों को शांति, मजदूरों को रोटी का नारा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) रूस में व्यापक स्तर पर गरीबी एवं बेरोजगारी का होना

(iii) लेनिन का योगदान
- साम्यवादी विचारों का समुचित तरीके से प्रसार
- जनता के साथ प्रभावी संवाद

(iv) उद्योगों में केवल सैन्य वस्तुओं का उत्पादन → खाद्य वस्तुओं की कमी
↓
भुखमरी

रूसी क्रांति
- फरवरी की क्रांति
- नवंबर की क्रांति → प्रमुख क्रांति

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर प्रभाव -

(i) साम्यवादी विचारों का प्रसार - भारत में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (एम. एन. राय) की स्थापना हुई जिसने भारत में साम्यवादी विचारों के प्रसार में सहायता की। कांग्रेस में भी साम्यवादी भाग का प्रभाव था

(ii) अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति की प्रेरणा मिली
└ भगत सिंह साम्यवादी विचारों के समर्थक थे

(iii) भारत में गरीबी, भुखमरी व औद्योगिक विकास के लिए समाजवादी नीति को अपनाने का संकल्प लिया गया।

आजादी के बाद पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से नियोजित विकास एवं समाजवादी अर्थव्यवस्था व समाज की स्थापना जैसी नीतियाँ भी वस्तुतः इसी क्रांति का परिणाम मानी जाती है जो आज भी भारत को प्रभावित कर रही है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता के पश्चात

विकास गतिविधियों ने पर्यावरण एवं स्थानीय जनजातियों को काफी प्रभावित किया जिसके कारण अनेक पर्यावरणीय आंदोलनों ने जन्म लिया।

प्रमुख आंदोलन

(i) नर्मदा बचाओ आंदोलन
- नर्मदा घाटी बहुउद्देश्यीय परियोजना के विरोध में
- मेधा पाटकर इत्यादि का नेतृत्व
- जल सत्याग्रह
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा पीड़ितों के समुचित पुनर्वास करने का निर्णय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) चिपको आंदोलन - उत्तराखण्ड में
- वन काटने के विरोध में लोग पेड़ों से लिपट जाते थे
- सुंदरलाल बहुगुणा का नेतृत्व

(iii) अप्पिको आंदोलन - दक्षिण भारत में
- चिपको आंदोलन का प्रभाव
- वन काटने के विरोध में

(iv) साइलेंट वैली आंदोलन
- पश्चिम घाट में साइलेंट वैली में बांध निर्माण के विरोध में
→ जैव विविधता व पर्यावरण के संरक्षण हेतु
→ 'साइलेंट वैली' को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा

आंदोलनों से जुड़े आर्थिक मुद्दे

(i) स्थानीय समुदाय की आजीविका व कृषि भूमि के डूबने का मुद्दा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) समुचित ~~प्रबन्ध~~ पुनर्वास का मुद्दा

(iii) बहुउद्देश्यीय परियोजना के माध्यम से बिजली, पानी व सिंचाई का मुद्दा (आर्थिक विकास)

पक्ष्यान के मुद्दे

(i) जनजातियों का विस्थापन → संस्कृति का विनाश

(ii) वनों के साथ इन समुदायों का जुड़ाव
↓
(जल, जंगल व जमीन से जुड़ने का मुद्दा)

गरीबी मिटाने व समावेशी विकास के लिए विकास गतिविधियां आवश्यक है परंतु पर्यावरण की कीमत पर नहीं। साथ ही जनजातियों से संबन्धित मुद्दों का भी समुचित समाधान आवश्यक है। अतः पर्यावरण, विकास व जनजातियों के हितों के बीच संतुलन की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1971 ई के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान की हार के पश्चात युद्ध समझौते पर हस्ताक्षर हुए जिसे शिमला समझौता (1972) कहा जाता है। हाल ही में कश्मीर पर अमेरिका के हस्तक्षेप के प्रयास के बाद यह चर्चा में आया।

प्रमुख प्रावधान -

(i) युद्ध बन्दियों का एक दूसरे को हस्तांतरण

(ii) 1948 की युद्ध विराम रेखा को नियंत्रण रेखा की मान्यता

(iii) द्विपक्षीय मुद्दों को आपसी बातचीत के माध्यम से सुलझाना (तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप मान्य नहीं)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करते हुए क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देना।

(v) युद्ध जैसे विकल्पों को त्यागकर शांतिपूर्ण वार्ताएँ करना।

<u>समझौते के सकारात्मक पक्ष-</u>

(i) भारत की क्षेत्रीय साख में वृद्धि

(ii) बांग्लादेश से आने वाले प्रवासियों से संबन्धित नकारात्मक प्रभाव में कमी

(iii) भारत को एक शांतिपूर्ण देश के रूप में मान्यता मिलना

(iv) युद्ध बन्दियों की वापसी

परन्तु विद्वानों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर इस समझौते की आलोचना की जाती है.

(क) भारत कश्मीर के मुद्दे को पूरी तरह हल कर सकता था

(ख) भारत युद्ध में हावी था फिर भी समझौते से कुछ लाभ प्राप्त न कर सका

(ग) पाकिस्तान को विशाल भाग में कब्ज़ा की गई भूमि बगैर किसी सौदे के वापस लौटाना।

हालांकि इस समझौते के पश्चात भारत को अपेक्षित लाभों की प्राप्ति नहीं हुई परंतु यह समझौता सोवियत संघ के साथ संबन्धों के ~~सन्द~~ संदर्भ में आवश्यक था। इस समझौते के कारण ही भारत की छवि एक जिम्मेदार देश की बनी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र के मरुस्थलीकरण के खिलाफ सम्मेलन (UNCCD) के अनुसार भारत में लाखों हेक्टेयर भूमि मृदा अपरदन का सामना कर रही है जिससे बहुआयामी हानियों को उठाना पड़ रहा है।

प्राकृतिक कारण ← मृदा अपरदन कारण → मानवीय कारण

प्राकृतिक कारण
↓
→ अत्यधिक वर्षा का होना
→ रिल अपरदन, बूंद अपरदन
↓
परंतु इसका प्रकृति द्वारा समायोजन संभव

मानवीय कारण
↓
→ वनोन्मूलन के कारण मिट्टी का ढीली होना
→ कृषि में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग
→ बाढ़ सिंचाई → लवणीकरण
→ ढालों का अवनयन
→ अतिचारण
→ ढाल के अनुसार जुताई
→ झूम खेती

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपरदन का भारतीय कृषि पर प्रभाव

(i) मिट्टी की ऊपरी उर्वर परत का बहना
↓
कृषि उत्पादकता का कम होना

(ii) मिट्टी में पोषक तत्वों में कमी आना
↓
फसलों के उत्पादन में कमी तथा भूमि का बंजर होना

(iii) झूम खेती के कारण मृदा का लंबे समय तक अनुर्वर होना

(iv) कृषि उत्पादन कम → खाद्य संकट

कुछ सकारात्मक प्रभाव

(i) निचले भागों में पोषक तत्वों का पहुँचना

(ii) समुद्र में पोषक तत्वों का आगमन → उत्पादकता↑

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुधारात्मक उपाय-

(i) कृषि वानिकी व सामाजिक वानिकी को बढ़ावा देना

(ii) झूम खेती के कृषकों को जागरूक बनाना

(iii) समोच्च रेखीय जुताई पर ध्यान

(iv) समुचित पशुचराई पर बल (चारागाहों का निर्माण)

(v) रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग या जैविक उर्वरकों को प्रोत्साहन

मृदा अपरदन को रोककर प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर भूमि को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। इससे बढ़ती जनसंख्या की खाद्य आवश्यकता की पूर्ति के साथ-साथ सतत् विकास लक्ष्यों की पूर्ति (लक्ष्य 15) को भी प्रोत्साहन मिलने की संभावनाएँ हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्हीं विशेष कारकों के प्रभाव के कारण उद्योगों को विशेष स्थान पर समूहन होना ही उद्योगों का स्थानीयकरण (Localisation) कहलाता है। इसको भौगोलिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक कारक प्रभावित करते हैं।

(i) भौगोलिक कारक
- उच्चावच एवं भूगर्भीय संरचना
- जल की उपलब्धता
- भूमि की उर्वरता → कच्चा माल
- उपयुक्त जलवायु का होना

(ii) आर्थिक कारक
- सस्ती भूमि का होना
- सस्ता श्रम
- पूंजी निर्माण हेतु बैंकिंग व्यवस्था का होना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- सस्ता परिवहन एवं कनेक्टिविटी
- बीमा व्यवस्था का होना

(iii) राजनैतिक कारक
- उचित आर्थिक नीति
- राजनैतिक स्थिरता का होना
- व्यापार की सुगमता
- कानून व शांति व्यवस्था

(iv) सामाजिक कारक
- व्यक्ति की पारिवारिक संतुष्टि
- उद्यमशीलता व सामाजिक संरचना

(v) अन्य कारक
- प्रारंभिक शुरुआत का होना
- ऐतिहासिक कारक

भारत सूती वस्त्रों के उत्पादन की दृष्टि से विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है, जिसके लिए निम्नलिखित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कारक उत्तरदायी हैं-

(i) पर्याप्त कच्चा माल - काली मिट्टी में कपास की खेती (गुजरात, महाराष्ट्र इत्यादि)

(ii) ऊष्ण एवं आर्द्र जलवायु - धागे हेतु

(iii) जल की पर्याप्त उपलब्धता

(iv) सस्ता एवं कुशल श्रम

(v) यातायात - सड़क व्यवस्था, बंदरगाह (मुंबई)

(vi) पर्याप्त पूंजी निर्माण - मुंबई

(vii) उद्यमशीलता का होना - गुजराती लोग

इन्हीं कारकों के सम्मिलित प्रभाव के कारण भारत में महाराष्ट्र, गुजरात, कोयम्बटूर, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तरप्रदेश इत्यादि में सूती वस्त्र उद्योगों की स्थापना हुई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तीन महिलाओं में से एक महिला का विवाह छोटी उम्र (18से कम) में हो जाता है। भारत में राजस्थान, हरियाणा इत्यादि राज्य इस मामले में अग्रणी राज्य हैं

बाल विवाह के प्रसार के कारण -

(i) आर्थिक कारक-

- गरीबी के कारण माता-पिता अपनी 4-5 बेटियों की शादियाँ एक साथ करवा देते हैं।
- शादी में बारात का खर्चा एक ही बार उठाना पड़ता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) सामाजिक कारक

- दहेज प्रथा – एक साथ शादी → कम खर्चा
- बेटी को बेटे से कमतर दर्जा देना
- बेटी को घर की इज्जत मानना

(iii) राजनीतिक- प्रशासनिक कारण.

- प्रशासन की असंवेदनशीलता
- राजनीतिक संरक्षण (समाज के रूढ़ीवादी लोगों का राजनेताओं से मिलना)

(iv) शिक्षा का निम्न स्तर → जागरूकता ↓

बाल विवाह के निहितार्थ.

(i) विवाहित जोड़े की शिक्षा का वाधित होना

(ii) कम उम्र में गर्भधारण → स्वास्थ्य संबन्धी जटिलताएँ तथा मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर ↑

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) बच्चों का कुपोषित तथा अल्पविकसित होना → उत्पादकता ↓ → आर्थिक विकास ↓

(iv) मनोवैज्ञानिक विकारों से लड़कियों का पीड़ित होना।

रोक लगाने के उपाय.

(i) शिक्षा व्यवस्था का उन्नयन → नागरिकता प्रसार

(ii) बालिकाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन देना
↓
सुकन्या समृद्धि स्कीम

(iii) प्रशासन का सतर्कता से कार्य करना

(iv) बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 को कठोरता से लागू करना

सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तथा जनता, प्रशासन एवं राजनेताओं के संयुक्त प्रयासों से इस कुरीति से समाज को मुक्त किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में प्राचीन काल से ही 'अस्पृश्यता' नामक कुरीति विद्यमान है जिसके विलोपन के लिए अनेक संवैधानिक एवं कानूनी प्रयास किए गए हैं।

संवैधानिक प्रयास -

(i) अनुच्छेद 14 - समानता का अधिकार

(ii) अनुच्छेद 17 - अस्पृश्यता का अंत

(iii) प्रस्तावना - सामाजिक न्याय की अवधारणा

कानूनी प्रयास -

(i) "प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स एक्ट, 1955"

(ii) SCs एवं STs के खिलाफ अत्याचारों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निवारण अधिनियम, 1989 तथा इनका हाल ही का संशोधन
- कठोर सजा का प्रावधान
- गैर-जमानती व गैर-संज्ञेय अपराध
- अपराधी पर चुनाव लड़ने, संवैधानिक पोस्ट धारण करने पर रोक इत्यादि

परंतु इसके बावजूद भी समाचारों में रोज अनेक अस्पृश्यता की घटनाएँ (दलितों की पिटाई, घोड़ी पर न चढ़ने देना, मंदिर में प्रवेश न करने देना इत्यादि) देखने को मिलती हैं।

अस्पृश्यता उन्मूलन के समक्ष चुनौतियाँ

(i) समाज में जाति व्यवस्था का कठोरता से विद्यमान होना → जातीय पदानुक्रम का पालन करना
\ धार्मिक मान्यता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) अस्पृश्यता से पीड़ित जातियों का अपने अधिकारों के प्रति जागरूक न होना

(iii) पीड़ित जातियों की गरीबी व बेरोजगारी
↓
उच्च जातियों पर निर्भरता

(iv) न्याय व्यवस्था का विलंबकारी होना तथा प्रशासन व पुलिस की निष्क्रियता

(v) प्रभावशील जातियों की राजनीति में गहरी पकड़ होना

अतः उपर्युक्त चुनौतियों को देखते हुए हमें बहुआयामी प्रयास - जातीय पदानुक्रम को कमजोर करना, शिक्षा व जागरूकता का प्रयास, त्वरित न्याय सुनिश्चित करना, प्रशासन व पुलिस को सक्रिय बनाना इत्यादि प्रयास करने होंगे ताकि समाज में सामाजिक न्याय व समानता की स्थापना की जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में नशीली दवाओं का बढ़ता प्रसार एवं उपयोग एक चिंताजनक परिस्थिति है जो भारत की कार्यात्मक जनसंख्या को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर भारत के आर्थिक विकास व आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौती प्रस्तुत कर रही है।

नशीली दवाओं के प्रयोग हेतु उत्तरदायी कारक.

(i) जीवनशैली में बदलाव.
- बढ़ता तनाव व भागदौड़ की जिंदगी
- पारिवारिक तनाव
- आर्थिक नुकसान व बेरोजगारी का होना

(ii) युवाओं द्वारा इनके सेवन को आधुनिक जीवन का हिस्सा मानना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) पड़ोसी देशों द्वारा भारत में इन दवाओं का प्रसार करवाना (सीमा सुरक्षा की चुनौतियाँ)
(प्रवासियों के माध्यम से दवाओं का प्रसार

(iv) काले धन का प्रयोग

(v) जागरूकता की कमी एवं पुनर्वास कार्यक्रमों का समुचित न होना

नशीली दवाओं के प्रयोग के बहुआयामी प्रभाव.

(i) स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव
- 'लत' का बन जाना
- शरीर की उत्पादकता का कम होना

(ii) आर्थिक प्रभाव
- दवाएं महंगी → प्रयोग से गरीबी ↑
- स्वास्थ्य पर खर्च ↑
- काला धन प्रयोग - अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iii) मनोवैज्ञानिक प्रभाव - अपराध की प्रवृत्ति का बढ़ जाना इत्यादि

(iv) आंतरिक सुरक्षा संकट- इन दवाओं से प्राप्त धन द्वारा हथियार खरीदना तथा देश में अशांति का प्रसार करना।

उपचारात्मक उपाय-

(i) पीड़ितों का उचित पुनर्वास

(ii) युवाओं को मनोवैज्ञानिक सलाह देना एवं जागरूक बनाना

(iii) सीमा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना

(iv) पुलिस व प्रशासन को अतिसक्रिय बनाना

(v) काले धन के प्रयोग

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के नशीली दवाओं के खिलाफ अभिसमय पर हस्ताक्षर करके एक अधिनियम भी पारित किया है ताकि इनके कुप्रभावों से निपटकर एक संतुलित आर्थिक विकास की ओर बढ़ा जा सके

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation